राघवेन्द्र सिंह, भा.प्र.से.
सचिव
Raghvendra Singh, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 011

संदेश

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं !

भारत जैसे बड़े भौगोलिक क्षेत्र, भाषायी बहुलता और सांस्कृतिक एवं सामाजिक विविधता वाले देश में राजभाषा शासन और प्रशासन का सबसे महत्वूपर्ण पक्ष है। राजभाषा ही वह कड़ी हो सकती है जो पूरे देश को एक सूत्र में पिरो सकती है और भारत संघ की राजभाषा हिंदी, इस विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने में पूर्णत: समर्थ है। देश के सर्वाधिक प्रांतों में अधिसंख्य जनमानस द्वारा प्रयोग की जाने वाली हिंदी भाषा की लिपी देवनागरी भी सबसे अधिक वैज्ञानिक है। संभवत: इसीलिए संविधान निर्माताओं ने हिंदी को 14 सितंबर, 1949 को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया।

हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किए जाने के पीछे मंशा यह थी कि समस्त सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में किए जाएं। परंतु विभिन्न प्रावधानों और व्यवस्थाओं के बावजूद अभी भी लोग सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को लेकर सहज नहीं हैं। हमें यह समझना चाहिए कि वस्त्र मंत्रालय का अधिकांश काम-काज देश के आम आदमी से जुड़ा है हम अपनी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को बुनकरों, हस्तशिल्पियों, कारीगरों और मजूदरों तक प्रभावी रूप से तभी पहुंचा पाएंगे जब हम अपना सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में यह कार्य और भी आसान हो गया है। विभिन्न हिन्दी सॉफ्टवेयरों की उपलब्धता से अब अंग्रेजी जानने वाले अधिकारी/कर्मचारी भी अपना सरकारी काम-काज बेझिझक हिन्दी में कर सकते है। जरूरत केवल इच्छा-शक्ति, मानसिकता परिर्वतन और पहल करने की है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वस्त्र मंत्रालय में 14 से 28 सितंबर के दौरान हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से हमें हिंदी में कार्य करने की अपनी झिझक को दूर करना चाहिए। मुझे आशा है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर हिंदी में कार्य करने की अपनी झिझक को दूर करेंगे और नियमित रूप से राजभाषा हिंदी में अपना काम-काज करेंगे। मैं मंत्रालय के साथ-साथ इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों/सार्वजनिक उपक्रमों/ बोर्डो आदि में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से भी अपील करता हूं कि वे हिंदी के प्रयोग को मात्र औपचारिकता तक सीमित न रखकर दैनिक काम-काज में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें।

राघवेन्द्र सिंह

14 सितंबर, 2018

(राघवेन्द्र सिंह)

Tel. : +91-11-23061769, +91-11-23063644 Fax : +91-11-23063681 E-mail : secy-textiles@nic.in